□□□□ □□□□□

स□□स्थ□ □□ प□रि□□□ □ल□□□ □त्र□□□

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

□□ज□ □□□

अतारांकित प्रश्न □ख□□: 282

15 □□□□□□, 2020 □□ □□□□□□□□□□□□□□□प्रश्□ □□ □त्त□

□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □ □□□□□□□

282 श्री मल्लिकाजुन □□□□

क□□ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण □त्र□ □□ □□□□□□□□ □□□ □□□□□□:

(क) क्या भारत का औसत समग्र वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा स्कोर कई विकसित देशों को तुलना म लगातार बहुत ही निम्न बना हुआ है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भारत और अन्य देश कोरोना वायरस के लिए दवाई या टीका विकसित करने के लिए अनुसंधान संचालित कर रहे है;

यदि हां, तो इससे प्राप्त परिणाम को स्थिति और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने कोविड- 19 को रोकने के लिए टीका/ औषधि खोजने के लिए अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय अथवा बहुपक्षीय करार पर हस्ताक्षर किए ह अथवा हस्ताक्षर करने का विचार कर रही है. यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

□त्त□

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य □त्र□ (श्र□ □□श्वे□□ □□□□□ □□□□)□

(क) जन स्वास्थ्य आपात स्थितियों को रोकने उनका पता लगाने तथा उनके प्रतिक्रियात्मक कारवाई करने के लिए देश को क्षमता को मापने हेतु सावभौमिक रूप से स्वीकृत स्कोर को अंतराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमों (आईएचआई) द्वारा तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा स्टेट पार्टी ऐनुवल रिपोर्टिग टूल, जिसम भारत का सभी क्षमताओं का औसत स्कोर 78% से अधिक है (वैश्विक औसत 64%) के माध्यम से रिपोट किए गए स्कोरों को स्वीकार किया जाता है। आईएचआर कोर क्षमता स्कोर को प्रति अनुलग्नक पर दी गई है।

भारत सरकार ने जीएचआर परियोजना को उनके समग्र वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा कायसूची हेतु कोई आंकड़े उपलब्ध नही कराए ह।

(ख) जी हां, भारत चिकित्सीय, नैदानिक तथा वैक्सीनों के अनुसंधान म अग्रणी देशों म है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआई), वैज्ञानिक एंव औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) तथा वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) शैक्षिक, अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं, उद्योग, स्टाटअप्स तथा गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से नैदानिक किटों, वैक्सीनों और चिकित्सीय क्षेत्र म अनुसंधान कर रहे है।

बड़ी संख्या म स्वदेशी डायग्नोसिस किटों- आरटीपीसीआर, एंटीबॉडी और एलीसा का विकास किया गया है तथा आज हमारे पास 10 लाख किट/ दिन है। इस प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए एएमटीजैड विशाखापट्नम म विनिमाण जोन स्थापित किया गया था। नई सस्ती, त्वरित तथा पॉइट ऑफ केयर नैदानिक विधियाँ जैसे- पैपर आधारित स्ट्रिप्स तथा आईटी- एलएएमपी भी विकसित की गई ह।

मुख्य फोकस कोविड-19 वैक्सीन के विकास को सुविधा देने पर है। 30 से अधिक वैक्सीन केन्डीडेट्स को सहायता उपलब्ध कराई गई है जो विकास के विभिन्न चरणों म है, 3 केन्डीडेट्स फेस I/II/III ट्रायल्स की उन्नत अवस्था म ह तथा 4 से अधिक उन्नत प्रीन्क्लीनीकल विकास अवस्था म ह।

रिपपज्ड औषधियों के तेरह क्लिनिकल ट्रायल्स तथा आधुनिक चिकित्सा दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए परम्परागत ज्ञान का उपयोग करने से कोविड- 19 मरीजों के लिए चिकित्सीय विकल्पों का आधार तैयार हो रहा है। गभीर रूप से बीमार कोविड- 19 के मरीजों प केडीला के साथ इम्यूनोमॉड्यूलेटर ऐप्सिवाक का फेम 2 क्लिनिकल ट्रायल सफलता पूवक पूरा हो चुका है तथा विनियामक अनुमोदन के पश्चात इसका फेस- III ट्रायल प्रारंभ किया जाएगा। सबसे पहले फाइटोफामास्यूटिकल एसीएचक्यू का फेस- 2 क्लिनिकल ट्रायल सन फामा के पास है। साधारण रूप से बीमार कोविड- 19 के मरीजों पर अश्वगंधा का एक प्रोफिलोक्टिक ट्रायल तथा गुडुची+ पीप्पली, याश्तीमध: और पॉली हबल आयुष औषधि (आयुष- 64) के तीन ट्रायल किए जाने की योजना है। कोविड- 19 की 5 बायोरिपॉजिटरिज स्थापित की गई है, जिन्होन 40,000 से अधिक नमूने एकत्र किए ह, जिन्हे नैदानिकों, चिकित्सीय तथा वैक्सीनों के विकास के लिए अनुसंधानकताओ तथा उद्योगों को उपलब्ध कराया जाएगा।

(ग) डीबीटी तथा डीएसटी द्वारा यूएसए, आस्ट्रेलिया,चैक गणराज्य तथा ब्रिक्स के साथ विशेष अंतराष्ट्रीय परामश तथा परियोजना कॉल्स प्रारंभ की गई ह।

भारत नाव के साथ मिलकर महामारी तैयारी नवाचार सहयोग के साथ भागीदारी कर रहा है। वैक्सीन अनुसंधान के लिए, भारतीय प्रतिष्ठान भारतीय प्रयोगशालाओं (प्राइवेट और सरकारी) तथा अस्पतालों म अनेक वैक्सीनों के संबंध म ऑक्सफोड विश्वविद्यालय, यूके, युएसए तथा यूरोप म मेडिकल प्रयोगशालाओं तथा थॉमसन जैफरसन विश्व विद्यालय, यूएसए के साथ सहयोग कर रहे ह।

अनुलग्नक

डब्ल्यू एच ओ द्वारा यथा संसूचित स्टेट पार्टी ऐनुवल रिपोर्टिंग टूल 2019 (स्व आकलन) पर आधारित इंडिया-आईएचआर स्कोर



Figure 1 India IHR core capacities scores

